

ØhMk dk 0; fDrRo fodkl ea ; kxнку
¼Lukrd Lrjh; fo | kfFk; ka ds vfHker½

I phy fl g I xj] **Ph. D.**

असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग] d0 d0 i h0 t h0 dkkyst] bVkok] m0 i 0
b/ & ey %sunilsengar05@gmail.com

Abstract

ØhMk@[kydinka ea l ghkkfxrk dk l kekl; vFk; g fy; k tk l drk gsf d& "fofHku ØhMk@[kydin ifr; kfxrkva
ea l kFk&l kFk Hkkx yuka** l kekl; r% [kydinka ea; pd rFk ; pfr; ka Nk=&Nk=k, k l ghkkfxrk djrs gft l ds Lo: i
के विश्लेषण की दृष्टि से कुछ खेल युवकों (पुरुषों); तो कुछ खेल केवल युवतियों (महिलाओं) से सम्बन्धित होते हैं।
प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत न्यादर्शों द्वारा विश्वविद्यालय-महाविद्यालयी क्रीडा प्रतियोगिताओं में कुल 300 खिलाड़ी
ifr; kfx; ka }kjk dh x; h l ghkगिता का पार्श्व चित्र/स्वरूप का विश्लेषण व्यावहारिक दृष्टिकोण से करने का प्रयास
fd; k x; k gA अनुभवजन्य विश्लेषण के आधार पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त किए गये हैं-

- क्रीडाओं में सहभागिता; शिक्षाध्ययन में बाधक नहीं है।
- ØhMkva ea l ghkkfxrk(LokLF; ds fy, yHkkdkjh gA
- ØhMkva ea l ghkkfxrk(thou&l Ur fV l s l EcfU/kr gA
- ØhMk&l ghkkfxrk(nfud thou ds fu; fer i {kka ea l qfkkupHkr dk fuekz k djrh gA
- ØhMkva ea l ghkkfxrk(f[kykFM+ ka rFk fofHku /kekl ds ykxka ea i kjLi fd l nHko tfur djrh gA
- ØhMk&l ghkkfxrk(f[kykFM+ ka ea 0; fDrRo fodkl djrh gA

पारिभाषिक शब्दावली: l ghkkfxrk; fDrRo fodkl] l nHko ØhMk@[kydinka



[Scholarly Research Journal's](http://www.srjis.com) is licensed Based on a work at www.srjis.com

शोध प्रविधि : vuq f/kRI q us अपने इस अध्ययन में "वर्णनात्मक शक/क ij puk** dks vi uk; k gA
egkfo | ky; h; vUrØhMk ifr; kfxrkva %gkdh] dcMMh] cNlyhoky] QvckNly] fØdV] Vfcy Vful]
लॉन टेनिस, शतरंज, एथलैटिक्स, बैडमिन्टन, बॉस्केट वाल, हैण्ड वाल, कुश्ती, जेमनास्टिक, भाराRrkyu½
ea Hkkx yus okys i q "k rFk efgyk nkuka gh i dkj ds ifrHkkfx; ka dk v/; ; u djuk l EHko gks l dA
उद्देश्य निम्नलिखित सुनिश्चित किये गये हैं-

¼1½ U; knrf खिलाड़ी; ka dh o\$ fDr d rFk l kekft d i "BHkfe dk v/; ; u djukA

¼2½ न्यादर्शों के अभ्यास, प्रदर्शन, शकjhfd&ekuf l LokLF; rFk 0; fDrRo fodkl ea l gk; d
dkj dka dk v/; ; u djukA

¼3½ [kydinka ea gks jgs i f j orLka dk v/; ; u djukA

¼¼ खेलकूदों से शिक्षाध्ययन पर पढ़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।

i fjdYi uk₁% खेल, खिलाड़ियों के शक्ति (Strength) व (Endurance) पर फर्क (Difference) का अध्ययन किया गया।

i fjdYi uk₂% एक (One) लड़की (Girl) और (And) एक (One) लड़के (Boy) के (Between) शक्ति (Strength) व (Endurance) पर फर्क (Difference) का (The) अध्ययन (Study) किया (Was) गया (That)।

i fjdYi uk₃% खिलाड़ियों की द्वैतीयक भूमिका में सहयोग देने के लिए प्रशिक्षक की भूमिका अहम होती है।

ØhM&I gHkfxrk , oa 0; fDrRo fodkl %

fu% Ung] ØhM&I ea l gHkfxrk djus l s 0; fDrRo dk fodkl gsrk gS fd bl izl x ea f[kykM% न्यादशों से विचार जानकर विश्लेषण (Analysis) किया (Was) गया (That)।

rkfydk ua ¼1½ न्यादशों की लिंग संरचना

Øekad	न्यादश का लिंग	l a ; k	प्रतिशत
1	i q "k ¼Nk=½	243	81-00
2	efgyk ¼Nk=k½	57	19-00
	dy ; kx	300	100-00

fuEu rkfydk ua ¼2) न्यादशियों के लिंग भेदानुसार "क्रीड़ा सहभागिता तथा व्यक्तित्व विकास" पर संक्षिप्त प्रकाश डालती है—

rkfydk ua ¼2½ % ^fyx l ki s k 0; fDrRo fodkl **ds izl x ea fuदर्शितों ds vfHker

Øekad	fyxHkn	व्यक्तित्व विकास (संख्या/प्रतिशत)			
		gsrk gS	mnkl hu mRrj	ugha gsrk	; kx
1	Nk= ¼i q "k½	213/87-65½	30/12-35½	&&¼00-00½	243/100-00½
		¼82-56½	¼66-67½	¼00-00½	¼81-00½
2	Nk=k, a ¼efgyk, ¼	45/78-95½	12/21-05½	&&¼00-00½	57/100-00½
		¼17-44½	¼28-59½	¼00-00½	¼19-00½
	l eLr ; kx	258/86-00½	42/14-00½	&&¼00-00½	300/100-0½
	प्रतिशत	¼100-00½	¼100-00½	¼00-00½	¼100-00½

प्रसंगाधीन तालिका में प्रदर्शित कुल 300 न्यादशियों के व्यक्तित्व विकास (Personality Development) का (The) अध्ययन (Study) किया (Was) गया (That)।

l gHkfxrk l s muds 0; fDrRo fodkl r gkrk gS प्रतिपक्ष में उत्तर प्रदान करने वाले 42(14 प्रतिशत) mRrjnrk ik, x, gA udkjRed iR; Rrj inku djus okyk , d Hkh f[kykM+ mRrjnrk ugha ik; k x; k gA bu vkuHkfod rF; ka d प्रकाश में निम्न निष्कर्ष LFKfir fd; k tk l drk g& "ØhMkvka ea l gHkfxrk l s f[kykM+ ka dk 0; fDrRo fodkl gkrk gA**

fuEu rkfydk ua 1/3% f[kykM+ ka ds fuokl dh i "BHKife ds l ki \$k l Hkh 300 mRrjnrkvka द्वारा की गयी क्रीड़ा सहभागिता तथा व्यक्तित्व विकास पर संक्षिप्त प्रकाश डालती है—

rkfydk ua 1/3% % fuokl dh i "BHKife ds l ki \$k 0; fDrRo fodkl ds ifr fuदर्शितों के

vfhker Øekad	fuokl dh i "BHKife	व्यक्तित्व विकास (संख्या/प्रतिशत)			
		gkrk gS	mnkl hu mRrj	ugha gkrk	; ksx
1	xkeh.k	128/98-46½	02/01-54½	&&/100-00½	130/100-00½
		144-44½	16-67½	100-00½	143-33½
2	xkeh.k&uxjh;	30/100-00½	&&/100-00½	&&/100-00½	30/100-00½
		110-42½	100-00½	100-00½	110-00½
3	uxjh;	130/92-85½	10/07-15½	&&/100-00½	140/100-00½
		145-14½	183-33½	100-00½	146-67½
l eLr ; ksx		288/96-00½	12/04-00½	&&/100-00½	300/100-0½
प्रतिशत		1/100-00½	1/100-00½	1/00-00½	1/100-00½

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण के लिए "k.k rFkk l EcfU/kr foopu l s Li "V gkrk gS fd सर्वेक्षित कुल 300 खिलाड़ी उत्तरदाताओं में से 288(96 प्रतिशत) उत्तरदाताओं का उपयोग Lohdkj fd; k gS fd ØhMkvka ea l gHkfxrk l s muds 0; fDrRo dk fodkl gkrk gA tcf d ifri {k ea mRrj nus okyk एक भी उत्तरदाता नहीं पाया गया है; उदासीन प्रत्युत्तर प्रदान करने वाले 12(4 प्रतिशत) उत्तरदाता ik, x, gA bu vkuHkfod तथ्यों के प्रकाश में fuEu fu" d "kz LFKfir fd; k tk l drk g& "xkeh.k] uxjh; rFkk xkeh.k&uxjh; i "BHKife ds f[kykM+ ka ds vuq kj ØhMkvka ea l gHkfxrk djus l s muds 0; fDrRo dk fodkl gkrk gA**

fuEu rkfydk ua 1/4% f[kykM+ ka }kj ØhMkvka ea l gHkfxrk rFkk 0; fDrRo fodkl ds l mHkZ में सभी 300 खिलाड़ी न्यादर्शितों के विचारों पर पारिवारिक संरचना के सापेक्ष प्रकाश डालती है—

rkfydk ua ¼4½ % i kfjokfjd l jupuk ds l ki şk 0; fDrRo fodkl ds izl x ea fuदर्शितों के

वर्ष/काल	वर्ष/काल	व्यक्तित्व विकास (संख्या/प्रतिशत)			
		गुरुकुल	मनोरंजन केंद्र	उच्च शिक्षण	अन्य
1	लापरिवर्ष	123/87-23%	18/12-77%	88/100-00%	141/100-00%
2	, दक्षिण वर्ष	150-62%	131-58%	100-00%	147-00%
	लेखक	120/75-47%	39/68-42%	88/100-00%	159/100-00%
		149-38%	168-42%	100-00%	153-00%
		243/81-00%	57/19-00%	88/100-00%	300/100-0%
	प्रतिशत	100-00%	100-00%	100-00%	100-00%

लेखक/लेखिका के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 300 न्यादर्शितों में से 243(81 प्रतिशत) न्यादर्शितों ने यह स्वीकार किया है कि क्रीड़ाओं में सहभागिता से व्यक्तित्व विकास होता है, जबकि उदासीन उत्तर प्रदान करने वाले मात्र 57(19 प्रतिशत) न्यादर्शित ही पाए गए हैं। उदाहरण के लिए, लेखिका ने कहा है कि क्रीड़ाओं में सहभागिता से व्यक्तित्व विकास होता है, जबकि उदासीन उत्तर प्रदान करने वाले मात्र 57(19 प्रतिशत) न्यादर्शित ही पाए गए हैं। लेखिका ने कहा है कि क्रीड़ाओं में सहभागिता से व्यक्तित्व विकास होता है, जबकि उदासीन उत्तर प्रदान करने वाले मात्र 57(19 प्रतिशत) न्यादर्शित ही पाए गए हैं। लेखिका ने कहा है कि क्रीड़ाओं में सहभागिता से व्यक्तित्व विकास होता है, जबकि उदासीन उत्तर प्रदान करने वाले मात्र 57(19 प्रतिशत) न्यादर्शित ही पाए गए हैं।

Spreitzer E & Pugh M.; Inter-Scholastic Athletics and Educational Expectations, Sociology of Education (Journal), 46 Spring, 2013, p.171.

Spady W. (et.al); Effects of Extra Curricular Activities on Goals & Achievement; American Journal of Soc. of Education, 2012, p.90.

Sage J.; Adolescent Values & The Non Participating college Athletes, Health Physical Education & Recreation, California, 2010, p.200.

Dunning Eric ; Factors Related to the social Adjustment of college Girls, The Journal of Social Psychology, 13 May 2008, p.143-144.

Snyder E. (et. al) ; Women Athletes and Aspects of Psychological Well-being & Body Image, The Free Press Glencoe; New York, 2006, p.60.

Edwards Hanry ; The Athletic Revolution, The Free Press, Glencoe, New York, 2004, p.91.